Journal of Research in Education

(A Peer Reviewed and Refereed Bi-annual Journal)

(SJIF Impact Factor 5.196)

St. Xavier's College of Education

(Autonomous)

Digha Ghat, Patna, Bihar - 800011

VOL.12, No.2 | DECEMBER, 2024

SXCE (AUTONOMOUS), PATNA

कामिनी कुमारी,
शोधार्थी
संत जेवियर्स कॉलेज ऑफ
एडुकेशन (स्वायत्त)
पटना– 800011
Email: kaminikumari827@gmail.com

सुशील कुमार सिंह
सह–प्राध्यापक
संत जेवियर्स कॉलेज ऑफ
एडुकेशन (स्वायत्त)
पटना– 800011
Email: sxcesuchil@gmail.com

9

शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद का विश्लेषण

सार

वैश्वीकरण के वर्तमान को समझते हुए किशोर को अपनी, रुचियों, क्षमताओं, योग्यताओं और दृष्टिकोण के लिए सबसे उपयुक्त व्यवसाय का चयन करना होगा, व्यवसाय का चयन करना किशोरों के लिए एक कठिन कार्य होता है क्योंकि किसी एक व्यवसाय का चयन करने से पहले किशोरों को सभी प्रकार के व्यवसायों को चुनने हेतु योजना का निर्माण करना पड़ता है। अचानक से किसी एक व्यवसाय को नहीं चुना जा सकता बल्कि उस व्यवसाय को चुनने से पहले किशोरों द्वारा अपने बारे और विभिन्न व्यावसायिक विकल्पों के बारे में जानकारी इकट्ठा करना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। इस आशय को ध्यान में रखकर शोधार्थी ने शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद का विश्लेषण "शोध विषय का चयन किया। प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य भाषा, वर्ग, माता एवं पिता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद का पता लगाना। शोध हेतु समष्टि के रूप में बिहार के किशोर एवं प्रतिदर्श के रूप में बिहार के पाँच प्रमंडलों से कुल ६३०

किशोरों को सम्मिलित किया गया है। शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है। प्रदत्तो के संग्रहण हेतु व्यावसायिक द्वंद मापनी का प्रयोग किया गया है। प्राप्त परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला प्राप्त हुआ है कि वर्ग एवं माता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर नहीं है जबकि भाषा एवं पिता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर है।

***मूल शब्दः** किशोर, व्यावसायिक द्वंद, प्रमंडल, रुचि, क्षमता, विश्लेषण*

परिचय

आधुनिक शिक्षा ने शिक्षा जगत में व्यापक परिवर्तन किए जिसमें से सबसे महत्वपूर्ण बदलाव जो हमने देखा वो है शैक्षिक अवसरों की एक लंबी सूची का अस्तित्व में आना । यदि हम आज से तीस वर्ष पहले किशोरों द्वारा चुने जाने वाले व्यवसायों और वर्तमान समय में चुने जा रहे व्यवसायों की तुलना करे तो हम पाते है कि आज किशोरों के पास पहले की अपेक्षा कहीं अधिक व्यावसायिक विकल्प है जिसमें वे अपना भविष्य देख सकते है। इन व्यावसायिक विकल्पों से किशोरों को उन व्यवसायों को जानने और समझने के भी अवसर मिले जिनके बारे में न तो पहले किसी ने सुना था और न ही उसकी कल्पना की गयी थी जैसे द डिजास्टर मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, बी. एच. एम. एस. आदि। कृत्रिम बुद्धि ने व्यावसायिक विकल्पों के क्षेत्र में एक क्रांति की तरह आने का काम किया जिसने व्यवसाय और व्यावसायिक विकल्प दोनों की ही रूपरेखा बदल दी, कृत्रिम बुद्धि की आवश्यकता और उपयोगिता आज हर विषय और हर क्षेत्र में है । लेकिन व्यावसायिक विकल्पों में आए इस परिवर्तन ने जितना किशोरों को आकर्षित करने का काम किया उतना ही उनके लिए इन विकल्पों का चयन करना जटिल भी कर दिया। आज किशोर किसी भी संकाय का चयन करने से पहले ही यह सोचने में लग जाते है की इस संकाय या विषय को लेने से उनका भविष्य कैसा होगा। संकाय का चयन हो, विषय का चयन हो या व्यवसाय का चयन हो किशोरों के मन में एक द्वंद उत्पन्न हो जाता है कि किस विषय या संकाय का चयन करे जिससे समाज में उनका मान-सम्मान बढ़े साथ ही वे भविष्य

में किसी भी प्रकार की आर्थिक तंगी से बचे रहे। व्यवसाय से संबंधित इन उलझनों ने किशोरों को एक प्रकार के द्वंद में डाल दिया। व्यावसायिक द्वंद आज के परिप्रेक्ष्य में एक आम समस्या है जिससे लगभग हर युवा जूझ रहा है।

अध्ययन की सार्थकता

प्रस्तुत शोध के माध्यम से यह खोजने का प्रयास किया गया है कि क्या वास्तव मे किशोरों द्वारा चुने गए व्यवसायों पर उनके व्यावसायिक द्वंद का प्रभाव पड़ता है और अगर पड़ता है तो वे कौन से कारक है जो उन्हें अधिक दबाव में डालते है । शोधार्थी ने भूतकाल में हुए शोधों का अध्ययन किया उसमे यह पाया की व्यावसायिक द्वंद का प्रभाव किशोरों द्वारा चुने जानेवाले व्यवसायों पर पड़ता है और व्यावसायिक द्वंद के कई कारक बहुत गंभीर है जिनपर माता-पिता , शिक्षकों एवं विद्यालय को कार्य करने की आवश्यकता है ।

समस्या कथन

शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद का विश्लेषण

मुख्य पदों की संक्रियात्मक परिभाषा

किशोर– ऐसे विद्यार्थी जिनकी उम्र १४ से १८ वर्ष होगी एवं जो माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक वर्गों में अध्ययनरत हो।

व्यावसायिक द्वंद– अपनी प्राथमिकता के अनुरूप व्यावसायिक क्षेत्र के चयन में आनेवाली सामाजिक, शैक्षिक, व्यक्तिगत, कार्य संस्कृति, परिवार और लिंग से संबंधित मानसिक दुविधाएँ ।

संबंधित साहित्य की समीक्षा

वुमासी एवं अन्य (2018), ने विद्यार्थियों के व्यावसायिक चयन को सर्वाधिक प्रभावित करनेवाले कारकों से संबंधित सन् १९९७ से मई २०१८ तक हुए शोधों की समीक्षा की । शोधार्थियों ने इसके लिए जोआना ब्रिग्स संस्थान के प्रारूप का प्रयोग करते हुए एक व्यवस्थित समीक्षा रणनीति का आयोजन किया । जनवरी १९९७ से मई २०१८ के बीच प्रकाशित लेखों के लिए एरिक , साइके

इन्फो, स्कोपस और इनफहर्मिट जैसे मंचों से तथ्यों की खोज की गयी । निष्कर्ष स्वरूप पाया गया कि सामूहिक संस्कृतियों के युवा मुख्य रूप से पारिवारिक अपेक्षाओं से प्रभावित थे जिससे माता–पिता के साथ उच्च व्यावसायिक अनुरूपता ने उनके व्यावसायिक आत्मविश्वास और आत्म प्रभाविता में वृद्धि की। व्यक्तिगत रुचि की प्रमुख कारक के रूप में पहचान की गयी जिसने व्यक्तिवादी परिप्रेक्ष्य में व्यावसायिक चयन को प्रभावित किया और युवा अपने व्यावसायिक निर्णय लेने में अधिक स्वतंत्र थे वहीं द्वि–सांस्कृतिक युवा जो अपने मेजबान देशों के प्रति अधिक संस्कारी थे, वे अपने व्यावसायिक निर्णय लेने में आंतरिक रूप से अधिक प्रेरित थे ।

अग्रवाल (2008), ने भारत के प्रबंधन महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यवसाय चयन को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन किया । शोधकत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रबंधन कोर्स में नामांकन लेने वाले ६३ विद्यार्थियों को अपने अध्ययन में समष्टि के रूप में सम्मिलित किया। निष्कर्ष स्वरूप पाया कि कौशल, दक्षता और क्षमता ये तीन महत्वपूर्ण कारक है जिन्होंने युवाओं को प्रबंधन क्षेत्र में आने हेतु सर्वाधिक प्रेरित किया एवं पिता वे व्यक्ति हैं जिनका प्रभाव सर्वाधिक रूप से युवाओं के व्यवसाय चयन पर पड़ता है।

नखत (2019), ने उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के व्यावसायिक द्वंद मूल्य द्वंद एवं तनाव का अध्ययन किया। शोधार्थी ने परिणाम स्वरूप पाया कि सामाजिक द्वंद का व्यावसायिक द्वंद के साथ सर्वाधिक दृढ़ संबंध है अर्थात सामाजिक द्वंद में जितनी वृद्धि होगी व्यावसायिक द्वंद एवं तनाव में भी उतनी ही वृद्धि देखी जा सकती है ।

माओ एवं अन्य (2014), ने एशियन द अमेरिकन परिवारों से संबंधित विद्यार्थियों के व्यावसायिक निर्णय में पारिवारिक द्वंद के प्रबंधन का अध्ययन किया। शोधार्थियों ने निष्कर्ष स्वरूप पाया कि एशियन द अमेरिकन परिवारों से संबंधित अधिकतर विद्यार्थी अपने व्यावसायिक पसंद एवं चयन के संबंध में अपने माता–पिता द्वारा अस्वीकृति का सामना करते है। विद्यार्थी अपने माता–पिता

को अपने द्वारा चयनित व्यावसायिक क्षेत्र का समर्थन करने हेतु विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करते है साथ ही वे व्यावसायिक परामर्श केंद्रों से सहायता लेने की अपेक्षा अपने सहपाठियों या ऐसे लोगों से सहायता लेना अधिक पसंद करते है जिन्होंने अपने जीवन में समान समस्या का सामना किया हो ।

उद्देश्य

- भाषा के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर का पता लगाना ।
- वर्ग के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर का पता लगाना ।
- माता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर का पता लगाना ।
- पिता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर का पता लगाना ।

नल परिकल्पना

- भाषा के आधार पर किशोरों की व्यावसायिक द्वंद में कोई सार्थक अंतर नहीं है ।
- वर्ग के आधार पर किशोरों की व्यावसायिक द्वंद में कोई सार्थक अंतर नहीं है ।
- माता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों की व्यावसायिक द्वंद में कोई सार्थक अंतर नहीं है ।
- पिता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों की व्यावसायिक द्वंद में कोई सार्थक अंतर नहीं है ।

शोध प्रणाली

शोध विधि

प्रस्तुत शोध हेतु शोधार्थी शोध विधि के रूप में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है क्योंकि प्रस्तुत शोध समस्या के लिए यह विधि सर्वाधिक उपयुक्त हैं।

समष्टि

प्रस्तुत शोध में समष्टि के रूप में बिहार राज्य के ऐसे किशोरों को सम्मिलित किया गया जो दसवीं एवं बारहवीं वर्गों में अध्ययनरत है।

प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्श चयन तकनीक

प्रस्तुत शोध हेतु बिहार के पाँच प्रमंडलों को यादृक्षिक प्रतिचयन विधि द्वारा चुना गया जहाँ के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के कुल ६३० प्रतिदर्शों ने भाग लिया।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध में किशोरों में व्यावसायिक द्वंद के मापन हेतु अजीत कुमार और रेखा द्वारा निर्मित व्यावसायिक द्वंद मापनी (२०१५) का उपयोग किया गया है।

प्रदत्त विश्लेषण

प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीक के रूप में माध्य, टी-परीक्षण, पद- सहसंबंध का प्रयोग किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य है भाषा, वर्ग, माता एवं पिता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद का पता लगाना। अध्ययन से संबंधित प्रदत्तों के विश्लेषण को तालिका के माध्यम से दर्शाया गया है जो इस प्रकार है-

नल परिकल्पना 1. भाषा के आधार पर किशोरों की व्यावसायिक द्वंद में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका संख्या – 1

भाषा के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद के स्तर का टी–अनुपात

भाषा के आधार पर	सं०	माध्य	मानक विचलन	टी–अनुपात	सार्थकता स्तर
हिंदी	250	239	32	4.79	सार्थक अंतर है
अंग्रेजी	280	228	24		
कुल	630				

(5%सार्थकता स्तर पर टी का सारणी मान्य 1.96 है)

तालिका संख्या -१ से स्पष्ट होता है कि हिंदी भाषा का चयन करने वाले किशोरों के व्यावसायिक द्वंद के स्तर का माध्य २३६ तथा मानक विचलन ३२ है , अंग्रेजी भाषा का चयन करने वाले किशोरों के व्यावसायिक द्वंद के स्तर का माध्य २२८ तथा मानक विचलन २४ है। टी-अनुपात का माँ ४. ७६ है जो ५% सार्थकता स्तर पर दिए गए तालिका मूल्य (१.९६) से अधिक है। अतः नल परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है और यह कहा जा सकता है कि भाषा के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर है ।

नल परिकल्पना 2. वर्ग के आधार पर किशोरों की व्यावसायिक द्वंद में कोई सार्थक अंतर नहीं है ।

तालिका संख्या-2

वर्ग के आधार पर दसवीं एवं बारहवीं वर्ग में पढ़ने वाले किशोरों के व्यावसायिक द्वंद के स्तर का टी-अनुपात

वर्ग	संख्या	माध्य	मानक विचलन	टी–अनुपात	सार्थकता स्तर
दसवीं	166	239	27.2	0.55	सार्थक अंतर नहीं है
बारहवीं	140	238	24.9		
कुल	306				

(5% सार्थकता स्तर पर टी का सारणी मान्य १.९६ है)

तालिका संख्या-२ से स्पष्ट होता है कि दसवीं कक्षा के किशोरों के व्यावसायिक द्वंद के स्तर का माध्य २३६ तथा मानक विचलन २७.२ है , बारहवीं कक्षा के किशोरों के व्यावसायिक द्वंद के स्तर का माध्य २३८ तथा मानक विचलन २४.६ है । टी - अनुपात का मान ०.५५ है जो ५% सार्थकता स्तर पर दिए गए तालिका मूल्य (१.९६) से कम है । अतः नल परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है और यह कहा जा सकता है कि वर्ग के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर नहीं है।

नल परिकल्पना 3. माता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों की व्यावसायिक द्वंद में कोई सार्थक अंतर नहीं है ।

तालिका संख्या–3

माता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद के स्तर का टी–अनुपात

माता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर	सं०	माध्य	मानक विचलन	टी–अनुपात	सार्थकता स्तर
इन्टर	124	231	26	0.65	सार्थक अंतर नहीं है
स्नातक	148	233	23		
कुल	272				

(5% सार्थकता स्तर पर टी का सारणी मान्य 1.96 है)

तालिका संख्या–३ से स्पष्ट होता है कि वैसे किशोर जिनकी माता का शैक्षणिक स्तर इन्टर है उनका माध्य २३१ तथा मानक विचलन २६ है, वैसे किशोर जिनकी माता का शैक्षणिक स्तर स्नातक है उनका माध्य २३३ तथा मानक विचलन २३ है। टी–अनुपात का मान ०.६८ है जो ५% सार्थकता स्तर पर दिए गए तालिका मूल्य (१.९६) से कम है । अतः नल परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है और यह कहा जा सकता है कि माता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर नहीं है।

नल परिकल्पना 4. पिता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों की व्यावसायिक द्वंद में कोई सार्थक अंतर नहीं है ।

तालिका संख्या–4

पिता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद के स्तर का टी–अनुपात

पिता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर	सं०	माध्य	मानक विचलन	टी–अनुपात	सार्थकता स्तर
इन्टर	155	239	31	2.79	सार्थक अंतर है
स्नातक	277	231	24		
कुल	272				

(5% सार्थकता स्तर पर टी का सारणी मान्य 1.96 है)

तालिका संख्या –४ से स्पष्ट होता है कि वैसे किशोर जिनके पिता का शैक्षणिक स्तर इन्टर है उनका माध्य २३६ तथा मानक विचलन ३१ है, और वैसे किशोर जिनके पिता का शैक्षणिक स्तर स्नातक है उनका माध्य २३१ तथा मानक विचलन २४ है । टी–अनुपात का मान २.७६ है जो ५% सार्थकता स्तर पर दिए गए तालिका मूल्य (१.९६) से अधिक है । अतः नल परिकल्पना को अस्वीकृत किया जाता है और यह कहा जा सकता है कि पिता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद में सार्थक अंतर है ।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्राप्त परिणामों के आधार पर शोधार्थी द्वारा यह निष्कर्ष निकाल गया है कि वर्ग एवं माता के शैक्षणिक स्तर के आधार पर किशोरों के व्यावसायिक द्वंद के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है, परंतु किशोरों द्वारा चयनित व्यवसायों पर उनके द्वारा जिस भाषा में पढ़ाई की जा रही है उसका असर पड़ता है साथ ही उनके पिता के शैक्षणिक स्तर का प्रभाव भी किशोरों के व्यावसायिक द्वंद को प्रभावित करता है ।

संदर्भ सूची

- *वुमासी एवं अन्य (२०१६), युवाओं के व्यावसायिक विकल्प को प्रभावित करने वाले कारकों की एक व्यवस्थित समीक्षा-संस्कृति की भूमिका,* https://www-frontiersin-org/articles/10-3389/feduc-2018-00058/full
- अग्रवाल, टी. (२००८), "भारत के प्रबंधन महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के व्यवसाय चयन को प्रभावित करने वाले कारक", करियर डेवलपमेंट इंटरनेशनल जर्नल , प्रकाशक-एमेरल्ड ग्रुप पब्लिशिंग लिमिटेड, संस्करण. १३, संख्या.४, पेज संख्या. ३६२–३७६, ISSN-1362-0436, http://dx-doi-org/10-1108/13620430810880844
- माओ, विन्नी।(२०१४), व्यावसायिक निर्णय में पारिवारिक द्वंद का प्रबंधन रू एशियन अमेरिकियों का अनुभव , जर्नल अहफ करिअर डेवलपमेंट (२०१४), VOL-41(6), पृष्ठ सं –४८७–५०६, DOI:10-1177/08948453135/2898]

- अनीत एवं रेखा (२०१५) किशोरों में व्यावसायिक निर्णय लेने में व्यावसायिक द्वंद की,ए मल्टीडिसीप्लिनरी इन्टरनैशनल जर्नल, VOL- III P-N22-27 ISSN: P 2455- 0515
- मल्होत्रा पी. एल.सदाशिव एवं अन्य, भारत में विद्यालयी शिक्षा, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
- मंगल. एस. के, शिक्षा मनोविज्ञान, PHI Learning limited, 2016, ISBN-978-81-203-3280-5